No. of Printed Pages : 4

EHD–002

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी)

ई.एच.डी.-002 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** काव्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) अविगत गति कछु कहत न आवै।

ज्यौ गूंगै मीठे फल को रस अन्तरगत हीं भावै।

परम स्वाद सबही तु निरंतर अमित तोष उपजावै।

मन-बानी कौं अगम अगोचर, सो जानै जो पावै।

(ख) जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चन्दन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग॥

(ग) तन की दुति स्याम सरोरुह लोचन कंज की मंजुलताई हरै।
अति सुंदर सोत धूरि भरे छबि, भूरि अनंग की दूरि करैं।
दमकैं दतियाँ दुति-दामिनी ज्यौं, किलकैं कित
बाल-विनोद करैं।
अवधेस के बालक चारि सदा, तुलसी मन-मंदिर में बिहरैं॥

(घ) हँस, झिलमिल हो लें तारा गन,
हँस, खिलें कुंज में सकल सुमन,
हँस बिखरें मधु मरंद के कम,
बन कर संसृति के नव श्रम कन,
सब कह दें वह राका आई।
हँस लें भय, शोक प्रेम था या रण,
हँस लें काला पट ओढ़ मरण,
हँस लें जीवन के लघु-लघु क्षण,
देकर नित चुंबन के मधुकण,
नाविक अतीत की उतराई।

(ङ) कवि जो हों, जो कुछ करते हैं करें,

प्रयोजन मेरा बस इतना है—

ये दोनों जो

सदा एक-दूसरे से तनकर रहते हैं,

कब, कैसे, किस आलोक-स्फुरण में

इन्हें मिला दूँ—

दोनों जो हैं बन्धु, सखा, चिर सहचर मेरे।

(च) छीनता हो स्वत्व कोई, और तू

त्याग तप से काम ले, यह पाप है।

पुण्य है विच्छिन्न कर देना उसे

बढ़ रहा तेरी तरफ जो हाथ हो।

बद्ध विदलित और साधनहीन को

है उचित अवलंब अपनी आह का

गिड़गिड़ा कर किन्तु माँगे भीख क्यों

वह पुरुष जिसकी भुजा में शक्ति हो।

2. आदिकाल की प्रतिनिधि रचनाओं का परिचय दीजिए। 16

3. सूरदास की काव्यभाषा की विशेषताएँ बताइए। 16

4. रहीम के काव्य के भावपक्ष का विश्लेषण कीजिए। 16

5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 16

6. छायावाद की अंतर्वस्तु की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए। 16

7. प्रगतिवाद के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए। 16

8. नयी कविता के शिल्प-विधान की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 16

9. समकालीन कविता की काव्यगत प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** विषयों पर टिप्पणी लिखिए : $2\times8=16$

(क) पृथ्वीराज रासो

(ख) 'कुरुक्षेत्र' का कथा संयोजन

(ग) 'पद्माकर' की काव्यगत विशेषताएँ

(घ) अज्ञेय की काव्यभाषा

× × × × ×